तत्कालीन एसडीएम, नायब तहसीलदार और पटवारी का पूरा कुनबा नापेगा जेल

सरकारी ज़मीन पर 400 करोड़ के सरकारी डकैत

बीएनएस की संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की ठोस सिफारिश

शहडोल। जिले के ब्योहारी से प्रशासनिक सांठ-गांठ और बेखौफ भ्रष्टाचार का एक ऐसा हैरान करने वाला महाघोटाला सामने आया है, जिसने पूरे सरकारी तंत्र को हिलाकर रख दिया है। यहाड्डु के खड़हूली गांव में मवेशियों के चरने वाली गैर हकदार चरनोई की करीब 10 एकड़ बेशकीमती सरकारी जमीन को राजस्व अधिकारियों ने आपस में बंदरबांट कर अपने ही कुनबे के नाम चढ़ा लिया। पुलिस की आधिकारिक जांच रिपोर्ट में अब इस महालूट का शब्दशः खुलासा हो चुका है।

अरबों की सरकारी मलाई

ब्योहारी तहसील के खड़हूली और नौढिय़ा क्षेत्र में स्थित यह सरकारी जमीन शासकीय अभिलेखों में मध्य प्रदेश शासन के अधीन गैर हकदार चरनोई दर्ज थी। वर्तमान बाजार भाव के अनुसार, जो 890 प्रति स्क्वायर फीट या लगभग 3 लाख प्रति डिसमिल है, इस महाघोटाले का कुल आकार 400 करोड़ से कम का नहीं है। स्वयं सूबे के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने पूर्व में इसकी अनुमानित शासकीय क्षति 100 करोड़ से 200 करोड़ के बीच स्वीकार करते हुए प्रमुख सचिव को जांच सौंपी थी, लेकिन प्रशासनिक दलालों और रसूखदारों के दबाव में महीनों तक फाइलें सचिवालय में धूल खाती रहीं। आम जनता के मवेशियों के लिए आरक्षित इस चारागाह भूमि की रक्षा करने में पूरा जिला प्रशासन और कलेक्ट्रेट मूकदर्शक बना रहा, जिससे भू-माफियाओं के हौसले बुलंद होते गए।

ऐसे रचा गया षड्यंत्र

इस महाघोटाले की काम करने का तरीका इतनी शातिराना है कि कोई भी ढंग रह जाए। वर्ष 2023-24 में हल्की पटवारी नौढिय़ा के पद पर पदस्थ राजेंद्र कुमार द्विवेदी ने तत्कालीन नायब तहसीलदार अमित मिश्रा, भुवनेश्वर सिंह, अभ्यानंद शर्मा और तत्कालीन अनुविभागीय दंडाधिकारी नरेंद्र कुमार धुर्वे को अपने प्रभाव में लिया। इन सबने मिलकर शासकीय राजस्व रिकॉर्ड और खसरे में हेराफेरी की। इन अधिकारियों ने मिलीभगत करके चुपके से सरकारी रिकॉर्ड से मध्य प्रदेश शासन, गैर हकदार और चरनोई जैसे शब्दों को विलोपित (हटा) कर दिया। भूमि को रिकॉर्ड में साफ करने के बाद, इसे पहले कुछ डमी पट्टेदारों के नाम दर्ज कराया गया और फिर आनंद-फानन में रजिस्ट्री (विक्रय पत्र) के माध्यम से पटवारी राजेंद्र द्विवेदी ने अपनी पत्नी छाया शुक्ला, माँ मांडवी द्विवेदी और अपने सगे रिश्तेदारों के नाम क्रय करवा लिया।

अपनों में बांटी जमीन

जांच रिपोर्ट के अनुसार, खड़हूली गांव की आराजी खसरा नंबर 153/1, 40, 119, 117, 113, 108, 164, 112, 52, 54 सहित कुल 15 किता आराजी और खसरा नंबर 199/2/2 (रकबा 1.80 हेक्टेयर जो चरनोई हेतु आरक्षित था) में बड़े पैमाने पर हेरफेर किया गया। इस महालूट को अंजाम देने वाले मुख्य सूत्रधारों में तत्कालीन हल्का पटवारी राजेंद्र कुमार द्विवेदी, तत्कालीन अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) नरेन्द्र कुमार धुर्वे तथा तीन तत्कालीन नायब तहसीलदार अमित मिश्रा, भुवनेश्वर सिंह व अभ्यानंद शर्मा शामिल हैं। इनके साथ ही तत्कालीन पटवारी प्रदीप तिवारी (हल्का छतैनी, जयसिंहनगर) ने भी इस बहती गंगा में हाथ धोया। इन अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपनी पत्नियों और परिजनों, जिनमें छाया शुक्ला, मांडवी द्विवेदी, दिवाकर सिंह तिवारी, लक्ष्मी रेशमा तिवारी, संदीप तिवारी, पूर्णिमा तिवारी और राजलली द्विवेदी शामिल हैं, के नाम पर करोड़ों की सरकारी भूमि दर्ज करवा दी और अब यह पूरा कुनबा इस सरकारी जमीन के टुकड़े करके बाजार में धड़ल्ले से बेच रहा है।

न्यायालय के कड़े निर्देश

प्रशासनिक स्तर पर कोई सुनवाई न होने के बाद, क्षेत्र के सजग और निडर नागरिक मुकेश मिश्रा पिता शेषमणि मिश्रा, निवासी ग्राम नौढिय़ा ने तमाम जान-माल के खतरों के बावजूद माननीय प्रथम श्रेणी न्यायालय ब्योहारी में एक निजी परिवाद (इस्तगासा क्रमांक 323 बी.एन.एस.एस.) दायर किया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस को जांच के कड़े निर्देश दिए। ब्योहारी थाना प्रभारी (टीआई) जो महीनों से इस मामले को टाल रहे थे, उन्हें अंततः झुकना पड़ा। पुलिस ने गहन तकनीकी और दस्तावेजी जांच के बाद 12 मई 2026 को अदालत में अपनी 5 पन्नों की विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंप दी। इस रिपोर्ट ने सारे रसूखदार अधिकारियों और भू-माफियाओं के चेहरे से मुखौटा पूरी तरह से हटा दिया है।

संगीन धाराओं में केस

थाना प्रभारी ब्योहारी द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत की गई अंतिम जांच रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा गया है कि शिकायतकर्ता मुकेश मिश्रा द्वारा लगाए गए सभी आरोप शब्दशः और पूर्णतः प्रमाणित पाए गए हैं। पुलिस ने रिपोर्ट के पृष्ठ 5 पर अंतिम निष्कर्ष निकालते हुए सभी 13 नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316, 318, 335, 338, 340 और 344 के तहत मुकदमा दर्ज करने की ठोस सिफारिश की है। इनमें तत्कालीन एसडीएम नरेंद्र कुमार धुर्वे, तीन तत्कालीन नायब तहसीलदार (अमित मिश्रा, भुवनेश्वर सिंह, अभ्यानंद शर्मा) और पटवारी राजेंद्र कुमार द्विवेदी सहित उनके परिवार के 9 सदस्य शामिल हैं। लोक सेवकों द्वारा शासकीय संपत्ति पर डाका डालने का यह अपनी तरह का सबसे घिनौना और बड़ा मामला बनकर उभरा है।

नशे में डॉक्टर का हाईवोल्टेज ड्रामा

अस्पताल परिसर में दौड़ाई नई कार, एम्बुलेंस समेत कई वाहनों को मारी टक्कर

शहडोल। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनपुरी एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार चर्चा की वजह अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर अभिषेक मिश्रा बने हैं, जिन्होंने कथित रूप से नशे की हालत में अपनी नई नवेली टाटा सेरा कार से अस्पताल परिसर में जमकर उत्पात मचाया, डॉक्टर की लापरवाही और तेज रफ्तार ड्राइविंग से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। डॉक्टर अभिषेक मिश्रा हाल ही में नई टाटा सेरा कार लेकर आए हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें अभी वाहन चलाने का ज्यादा अनुभव नहीं है, इसके बावजूद वे कथित तौर पर नशे की हालत में अस्पताल परिसर में कार दौड़ाते रहे, इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में खड़ी एम्बुलेंस को जोरदार टक्कर मार दी, इतना ही नहीं वहां खड़े अन्य वाहनों को भी कार से ठोकर मार दी, जिससे वाहनों को नुकसान पहुंचा है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डॉक्टर अस्पताल परिसर में काफी देर तक कार इधर-उधर दौड़ाते रहे, इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने किसी तरह खुद को बचाया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था, गनीमत रही कि उस समय आसपास मरीज या ज्यादा संख्या में लोग मौजूद नहीं थे, अन्यथा स्थिति गंभीर हो सकती थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहला मामला नहीं है। डॉक्टर अभिषेक मिश्रा पहले भी कई बार नशे की हालत में अस्पताल परिसर में हंगामा करते देखे जा चुके हैं। उनके उत्पात के कई वीडियो भी सामने आ चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में काफी देर तक चर्चा का माहौल बना रहा। अब सवाल यह उठ रहा है कि मरीजों की सेवा के लिए नियुक्त जिम्मेदार डॉक्टर यदि खुद इस तरह की हरकत करेंगे तो अस्पताल की व्यवस्था और मरीजों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी।

मेगा एमएसएमई क्रेडिट आउटरीच कैंप का किया गया आयोजन

शहडोल। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा आरसेटी परिसर, कल्याणपुर शहडोल में मेगा एमएसएमई क्रेडिट आउटरीच कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को प्रोत्साहन देना तथा स्थानीय उद्यमियों को सरल एवं त्वरित ऋण सुविधा उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक के. एस. सोलंकी, क्षेत्रीय प्रमुख महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, मुख्य प्रबंधक आर. के. मिश्रा एवं अग्रणी जिला प्रबंधक अमित चौरसिया भी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय प्रमुख महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं रोजगार उन्मुख कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा ताकि जिले में उद्योग, व्यापार एवं स्वरोजगार को नई गति मिल सके। कार्यक्रम में एमएसएमई क्षेत्र के विकास में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका, स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की जानकारी दी गई। कैंप के दौरान विभिन्न उद्यमियों एवं व्यवसायियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। एमएसएमई कैंप में 44 उद्यमी की लीड जनरेट की गई तथा लगभग ?33.53 करोड़ के ऋण की स्वीकृति प्रदान की गई। बैंक अधिकारियों द्वारा ग्राहकों को सीजीटीएमएसई, मुद्रा योजना, टर्म लोन एवं अन्य एमएसएमई योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। एमएसएमई कैंप के द्वारा विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की जानकारी ग्राहको को प्रदान की गई तथा ऋण प्रस्ताव प्राप्त किए गए।

बचाव की दिशा में अधिवक्ताओं ने दिए जागरुकता संदेश

जमीनों की धंधेबाजी में पिस रहे विक्रेता

शहडोल। आदिवासी बहुल शहडोल जिले में इधर कुछ वर्षों से जमीनों का कारोबार परवान चढ़ रहा है। शहर के हर गली कूचे में जमीनों के सौदागर निवास कर रहे हैं और विक्रीयोग्य जमीनों की तलाश में जुटे हुए हैं। इसका एकमात्र कारण है जमीनों के सौदे में एकबारगी लाखों की रकम हाथ लगना। इसी प्रलोभन के कारण लोग ताबड़तोड़ जमीनों को हथियाने और अपने मुनाफे के अनुसार उसका व्यावसायिक उपयोग करने की फिराक में हैं। जमीनों की यह धंधेबाजी दलालों और पूंजीपतियों को तो फलित हो रही है लेकिन गरीब काश्तकार उसमें पिस रहे हैं। उन्हे जमीन देने के बाद लम्बी आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। यह समस्या अब चिंताजनक हो चली है। उससे बचाव के लिए जिला अदालत के प्रसिद्ध तथा विद्वान अधिवक्ता नारायण दास शुक्ला एवं तहसील राजस्व मामलों के ख्यातिप्राप्त अधिवक्ता सुभाष चंद्र सोनी ने जनजागरुकता के लिए पहलकदमी की है। उन्होने लोगों को कानूनी जानकारी देने का प्रयास करते हुए बचाव के उपाय सुझाए हैं।

जमीनों के प्रावधान अलग हैं

जिला अदालत के अधिवक्ता एनडी शुक्ला ने कहा कि यहां कई तरह की जमीने हैं और सबके प्रावधान अलग हैं। जैसे शहरी भूमि में व्यापवर्तित व कृषि भूमि, कुछ ग्रामीण एरिया जैसे सिंहपुर, पंचगाव, धुरवार, जमुई आदि विशिष्ट ग्राम की श्रेणी में हैं, इन क्षेत्रों में भूमियों की खरीद पर प्रतिबंध है। इनमें व शहरी व्यापवर्तित भूमियों में कलेक्टर की अनुमति लेनी पड़ती है। इसके कारण भी बिचौलियों को खेल करने का अवसर प्राप्त होता है। लम्बी और पेचीदा प्रक्रियाओं से बचने के लिए प्रायः लोग समझौते कर लेते हैं। इसी में बिचौलियों को खेल करने का अवसर प्राप्त होता है। जमीन के सौदे में हड़बड़ी नहीं करनी चाहिए और पूरी प्रक्रिया समझने के बाद ही विक्री करना चाहिए।

पूरे भुगतान के बाद रजिस्ट्री हो

श्री शुक्ला ने कहा कि विशिष्ट ग्रामों को छोडकर अन्य ग्रामों की कृषि भूमियों की सरलता से विक्री हो सकती है उसमें कोई पाबंदी नहीं है। इन भूमियों की विक्री के समय आसपास भूमियों का मूल्य और सरकारी मूल्य का पता लगाना चाहिए। इसके बाद एग्रीमेंट या पावर आफ एटार्नी की बजाय सीधे रजिस्ट्री कराने की बात करनी चाहिए। रजिस्ट्री से पूर्व पूरा भुगतान प्राप्त कर लेना चाहिए। यदि चेक दिया जा रहा है तो चेक क्रेता के बैंक एकाउंट का हो और उसे रजिस्ट्री में संधारित करा लेना चाहिए। यही सुरक्षित तरीका है।

क्रेता सतर्क रहे तो अच्छा

अपनी जानकारियां साझा करते हुए तहसील के अधिवक्ता सुभाष चंद्र सोनी ने कहा कि ग्रामीण कृषि भूमियों में भी खतरा कम नहीं है। शासन द्वारा इन भूमियों का आधार वर्ष 58-59 माना जाता है। यदि इन वर्षों में भूमि शासकीय वंटन के प्रभाव में रही हो या किसी आदिवासी के नाम दर्ज हो तो उसका भी नामांतरण नहीं हो पाता है। इसलिए जमीन खरीदने से पहले भूमि का यह रिकार्ड देख लेना बहुत आवश्यक है। पावर आफ एटार्नी या अनुबंध पत्र कुछ मामलों में तथा कुछ लोगों के लिए उपयोगी हो सकते हैं लेकिन अधिकांशतः नुकसान ही होता है। भूमि विक्री में कभी भी जल्दबाजी नहीं करना चाहिए। इसके अलावा स्वयं भी पूरी जानकारी लेनी चाहिए। केवल बिचौलियों की बात पर आश्रित नहीं रहना चाहिए।

युवाओं की मौत पर आक्रोश, ब्यौहारी में निकाला गया विशाल कैंडल मार्च

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में भाजपा के दो सक्रिय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों, राहुल द्विवेदी और अतुल तिवारी की सडक़ दुर्घटना में हुई दर्दनाक मौत के बाद इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल है। शुरुआत में महज एक सडक़ हादसा नजर आने वाले इस मामले ने अब एक नया और गंभीर मोड़ ले लिया है। मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों ने इसे सामान्य दुर्घटना मानने से साफ इनकार करते हुए सनसनीखेज आरोप लगाए हैं कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या है।

परिजनों का आरोपः कोयला और पशु तस्करों का हाथ

परिजनों का सीधा आरोप है कि राहुल और अतुल की मौत के पीछे क्षेत्र में सक्रिय अवैध कोयला कारोबारी और पशु तस्करों (गौ-तस्करों) का हाथ है। परिजनों के अनुसार, दोनों भाजपा नेता लगातार इन अवैध गतिविधियों का विरोध कर रहे थे, जिससे बौखलाकर आरोपियों ने एक सुनियोजित साजिश के तहत किसी अज्ञात वाहन से उनकी बाइक को जानबूझकर जोरदार टक्कर मारी, ताकि इसे दुर्घटना का रूप दिया जा सके। इस आरोप के बाद से स्थानीय प्रशासन और पुलिस कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

न्याय की मांग को लेकर सडक़ों पर उतरा जनसैलाब

इस घटना को लेकर स्थानीय जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। रविवार की देर शाम ब्यौहारी में एक विशाल मोमबत्ती जुलूस (कैंडल मार्च) निकाला गया। इस जुलूस में हजारों की संख्या में लोग हाथों में मोमबत्तियां लेकर सडक़ों पर उतरे। नम आंखों से दोनों दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का साफ कहना है कि जब तक इस दोहरे हत्याकांड का पर्दाफाश नहीं होता और आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

जांच में जुटी पुलिस

दो प्रमुख राजनीतिक चेहरों की मौत और उसके बाद उपजे जनआक्रोश को देखते हुए ब्यौहारी थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मामले की सघन जांच में जुट गए हैं। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने और संदिग्ध वाहनों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ही मामले की असली वजह साफ हो पाएगी। फिलहाल, इस घटना ने पूरे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अवैध कारोबारियों के हौसलों पर एक बड़ा बहस छेड़ दी है।

शहडोल के लाल का बॉलीवुड में डंका

रजनी की बारात में लीड रोल से कनिष्क करेंगे धमाकेदार डेब्यू

शहडोल। प्रतिभा किसी बड़े शहर या गॉडफादर की मोहताज नहीं होती, इसे सच कर दिखाया है शहडोल के माटी के लाल कनिष्क दुबे ने। अपनी कड़ी मेहनत और बेजोड़ अभिनय कला के दम पर कनिष्क ने सीधे मायानगरी मुंबई में सेंध लगाई है। नगर के जाने-माने समाजसेवी और श्री राम हॉस्पिटल के संचालक विजय दुबे के सुपुत्र कनिष्क महज़ 23 साल की उम्र में बॉलीवुड के बड़े पर्दे पर मुख्य अभिनेता के रूप में छाने को तैयार हैं। कनिष्क की इस ऐतिहासिक कामयाबी से पूरे शहडोल संभाग का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है।

29 मई को सिनेमाघरों में गूंजेगा शहडोल का नाम

बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड फिल्म रजनी की बारात आगामी 29 मई 2026 को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में कनिष्क मुख्य भूमिका (लीड रोल) में नजर आएंगे। कनिष्क की यह उड़ान उन रूढ़िवादी सोच पर करारा तमाचा है जो मानते हैं कि छोटे शहरों के युवा बड़े सपने नहीं देख सकते।

दिग्गजों के बीच बनाई पहचान

हाल ही में कनिष्क की बॉलीवुड के दिग्गज लेखक जावेद अख्तर के साथ सामने आई तस्वीर महज एक फोटो नहीं, बल्कि विंध्य क्षेत्र के युवाओं के हौसलों की नई इबारत है। अपनी शालीनता, सादगी और संस्कारों को जीवंत रखने वाले कनिष्क आज युवाओं के रोल मॉडल बन चुके हैं। शहडोल का यह चमकता सितारा अब रुपहले पर्दे पर जलवा बिखेरने को तैयार है, जिसे पूरे अंचल की जनता का भरपूर समर्थन और दुआएं मिल रही हैं।

दहेज लोभियों की बलि चढ़ी एक और बेटी

कुएं में मिला नवविवाहिता का शव, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का संगीन आरोप

नौरोजाबाद। चंद रुपयों की खनक और लालच की आग ने एक और हंसती-खेलती बेटी की जिंदगी को असमय लील लिया। कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम सेमरिया में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक नवविवाहिता का शव कुएं में उतराता मिला। मृतिका की पहचान कंचन यादव के रूप में हुई है। इस हृदयविदारक घटना के बाद से ही मृतिका के मायके पक्ष में कोहराम मचा हुआ है, वहीं पिता ने सीधे तौर पर ससुराल वालों पर हत्या का संगीन आरोप मढक़र इंसाफ की गुहार लगाई है।

शादी के एक साल बाद ही शुरू हो गया था जुल्म

नौरोजाबाद के कुदरी निवासी दुलीचंद्र यादव ने भारी मन से बताया कि उन्होंने साल 2021 में बड़े ही अरमानों के साथ अपनी बेटी कंचन का विवाह सेमरिया निवासी ओमप्रकाश यादव के साथ किया था। शादी के एक साल तो ठीक-ठाक बीते, लेकिन उसके बाद पति ओमप्रकाश, ससुर रामधुन और सास के सिर पर दहेज का भूत सवार हो गया। कंचन को लगातार प्रताड़ित किया जाने लगा और जान से मारने की धमकियां दी जाने लगीं।

मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया

शनिवार दोपहर मृतिका के पिता के पास दामाद का फोन आया कि कंचन की कुएं में गिरने से मौत हो गई है। पिता का साफ आरोप है कि उनकी बेटी को मारकर कुएं में फेंका गया है। इस जघन्य कृत्य ने कंचन की दो बेटियों और महज दो माह के दुधमुंहे बेटे के सिर से मां का साया हमेशा के लिए छीन लिया। पिता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बहरहाल, पोस्टमार्टम के बाद मृतिका का शव गृह ग्राम कूदरी लाया गया, जहां गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार हुआ। अब देखना यह है कि पुलिस इन कथित हत्यारों को कब तक सलाखों के पीछे भेजती है।

ई-विकास पोर्टल से किसानों को मिलेगा उर्वरक

शहडोल। किसानों को समय पर एवं पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा ई-विकास पोर्टल प्रणाली लागू की गई है। नई व्यवस्था के तहत किसान अपने रकबे एवं फसल के अनुसार एक ही बार में आवश्यक उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। कृषि विभाग के अनुसार किसान मोबाइल के माध्यम से ई-टोकन जारी कर खाद बुक कर सकेंगे, वहीं एमपी ऑनलाइन केंद्रों से भी टोकन प्राप्त किया जा सकेगा। पोर्टल के माध्यम से मक्का, धान, सोयाबीन सहित अन्य फसलों के अनुसार उर्वरक की मात्रा निर्धारित की जाएगी।नई व्यवस्था में सिकमी, बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसानों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। ऐसे किसान भू-स्वामी की अनुमति एवं सत्यापन के बाद पोर्टल के माध्यम से उर्वरक बुक कर सकेंगे। वृद्ध, दिव्यांग एवं संयुक्त खाताधारी किसानों के लिए भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। किसानों को पहले अपनी फार्मर आईडी एवं आधार लिंक मोबाइल नंबर अपडेट कराना होगा। इसके बाद ई-विकास पोर्टल पर आधार नंबर दर्ज कर ओटीपी के माध्यम से लॉगिन किया जा सकेगा। किसान अपनी फसल का चयन करेंगे, जिसके आधार पर आवश्यक उर्वरक की मात्रा स्वतः प्रदर्शित होगी। इसके बाद किसान उपलब्ध वितरण केंद्र का चयन कर ई-टोकन जारी कर सकेंगे। जारी टोकन के बाद किसानों को दो दिन के भीतर चयनित केंद्र से खाद प्राप्त करना होगा। समय सीमा में खाद नहीं लेने पर टोकन स्वतः निरस्त हो जाएगा।

खबर संक्षेप

मौसम अचानक करवट बदलने से गर्मी से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज कोतमा। शुक्रवार को मौसम ने अचानक करबट बदली सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही और दिनभर धूप छांव का सिलसिला चलता रहा। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे लेकिन करीब रात 8:00 बजे अचानक तेज धूल भरी आंधी तूफान चलने के साथ ही चमक गरज के साथ रिमझिम बारिश शुरू हो गई तेज हवा के कारण बिजली आपूर्ति भी नगर की बाधित हो गई। बारिश और हवा के चलते जहां एक ओर तापमान में गिरावट दर्ज की गई वहीं लोगों को गर्मी से राहत मिली हालांकि अचानक बिजली गुल होने से रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हुए। शनिवार को भी बादलों की आवाजाही के कारण धूप छांव बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक मौसम में परिवर्तन देखने को मिलेगा।

46 वर्षीय अधेड की आम के पेड़ से गिरकर मौत

हरिभूमि न्यूज कोतमा। थाना अंतर्गत सड्डी गांव मे 46 वर्षीय अधेड की आम के पेड़ से गिरकर मौत होने का मामला सामने आया है। जानकारी अनुसार रविवार की सुबह लगभग 11 बजे सड्डी गांव निवासी राममित्र तिवारी 46 वर्ष घर के पास ही आम के पेड़ में चढ़कर आम तोड़ रहा था तभी अचानक पैर फिसल गया और वह पेड़ से नीचे गिर गया आनन फानन मे घायल अवस्था मे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा लाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी कोतमा थाने मे दी गई। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पंचनामा तैयार कर पीएम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया है पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

जनगणना 2027 का प्रथम चरण मात्र 16 दिनों में पूर्ण

उमरिया। जिला जनगणना कार्यालय उमरिया ने जनगणना 2027 के प्रथम चरण में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य मात्र 16 दिनों में शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया। जिले के सभी 1,412 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स में यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जो उत्कृष्ट प्रशासनिक समन्वय, तकनीकी निगरानी और मजबूत मैदानी कार्यप्रणाली का उदाहरण बनकर सामने आया है। इस उपलब्धि के पीछे जिला प्रशासन की सूक्ष्म योजना, समयबद्ध कार्यप्रणाली और पूरी टीम की सामूहिक प्रतिबद्धता रही। जनगणना कार्य के संचालन के लिए जिले में 12 प्रशासनिक चार्ज बनाए गए थे, जहां अधिकारियों से लेकर फील्ड स्तर तक निरंतर मॉनिटरिंग और समन्वय सुनिश्चित किया गया। कलेक्टर एवं मुख्य जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने इस सफलता को पूरे जिले की टीम भावना और अनुशासित कार्यसंस्कृति का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि 1412 एचएलबी में इतने कम समय में त्रुटिहीन डेटा संकलन एक बड़ी चुनौती थी, जिसे रणनीतिक योजना और मजबूत इच्छाशक्ति से संभव बनाया गया। उन्होंने अभियान से जुड़े प्रत्येक अधिकारी, सुपरवाइजर और प्रगणक की प्रतिबद्धता की सराहना की। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने बताया कि प्रशासनिक व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखना और संसाधनों का समय पर आवंटन प्राथमिकता में रहा। प्रतिदिन समीक्षा कर मैदानी स्तर पर आने वाली बाधाओं का तत्काल समाधान किया गया, जिससे पूरा अभियान एक आदर्श टीमवर्क के रूप में सामने आया। जिला जनगणना नोडल अधिकारी प्रत्युष श्रीवास्तव ने कहा कि 12 चार्जों में कार्यरत 1,203 प्रगणकों और 204 सुपरवाइजरों के बीच सतत समन्वय स्थापित करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन रियल-टाइम मॉनिटरिंग और ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम के कारण पूरे कार्यबल की कार्यक्षमता उच्च स्तर पर बनी रही। इसी के परिणामस्वरूप निर्धारित लक्ष्य रिकॉर्ड समय में प्राप्त किया जा सका। बताया गया कि इस जनगणना अभियान के दौरान क्षमता निर्माण सबसे मजबूत कड़ी रही। फील्ड ट्रेनर्स, सुपरवाइजरों और प्रगणकों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाया गया, जिससे डेटा प्रविष्टि में त्रुटियों की संभावना बेहद कम रही। निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन और मैदानी अनुश्रवण ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। जनगणना अभियान में कुल 1,203 प्रगणकों ने घर-घर पहुंचकर डेटा संकलन का कार्य किया, जबकि 204 सुपरवाइजरों ने गुणवत्ता और सत्यापन की जिम्मेदारी संभाली। इसके अतिरिक्त 28 फील्ड ट्रेनर्स, 2 मास्टर ट्रेनर्स तथा 2 एमटीएस कर्मचारियों ने प्रशासनिक और तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

अदालती रोक और फर्जी जिओ-टैगिंग के खेल से सरकार को लाखों के राजस्व का चूना

रजिस्ट्री कार्यालय बांधवगढ़ में करोड़ों का हेरफेर

जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

पीड़ित विवेक शुक्ला ने साक्ष्यों के साथ शहडोल कमिश्नर से लगाई न्याय की गुहार

उप-पंजीयक पर गंभीर वित्तीय और प्रक्रियात्मक जालसाजी का आरोप

उमरिया।

प्रदेश शासन के सुशासन और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासनिक दावों को ठेंगा दिखाते हुए उमरिया जिले के उप-पंजीयक कार्यालय बांधवगढ़ में एक बहुत बड़ा भू-घोटाला और प्रक्रियात्मक फर्जीवाड़ा सामने आया है। जनसुनवाई पोर्टल और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत (क्रमांक- 38275984) दर्ज होने के बाद भी जब स्थानीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो पीड़ित पक्ष ने दस्तावेजों के प्रमाणों के साथ कमिश्नर के समक्ष न्याय की गुहार लगाई है। ग्राम रामपुर (पाली) निवासी आवेदक विवेक शुक्ला ने उप-पंजीयक कार्यालय में पदस्थ जिम्मेदार अधिकारियों पर भू-माफियाओं से सांठ-गांठ कर नियमों को ताक पर रखने और अवैध रजिस्ट्रियां करने का सनसनीखेज आरोप लगाया है।

अदालती आदेशों की सरेआम अवहेलना

शिकायतकर्ता विवेक शुक्ला द्वारा सौंपे गए साक्ष्यों के अनुसार, उप-पंजीयक कार्यालय बांधवगढ़ में पिछले कई वर्षों से नियमों की गंभीर अनदेखी की जा रही है। मामले का सबसे गंभीर और कानूनी पहलू यह है कि सिविल न्यायालय और राजस्व अधिकारियों के समक्ष विचाराधीन मामलों, कानूनी आपत्तियों और स्थगन आदेशों को पूरी तरह से दरकिनार कर बेखौफ तरीके से रजिस्ट्रियों का खेल खेला जा रहा है। पीड़ित के पिता द्वारा न्यायालय कनिष्ठ खंड बिरसिंहपुर पाली में लंबित दीवानी प्रकरण और उप-तहसीलदार बरबसपुर के समक्ष दर्ज कराई गई लिखित आपत्तियों के बावजूद विवादित भूमियों का न केवल विक्रय पत्र निष्पादित किया गया,

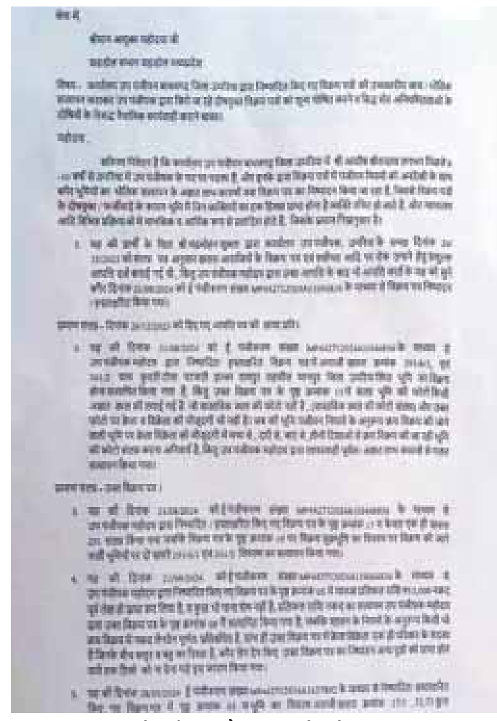

बल्कि नामांतरण रोकने की वैध अपीलों को भी नजरअंदाज कर दिया गया। यह सीधे तौर पर न्यायिक प्रक्रिया का अपमान और पद का दुरुपयोग है।

फर्जी जिओ-टैगिंग का तकनीकी खेल

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तकनीकी फर्जीवाड़े का है। मध्य प्रदेश सरकार ने रजिस्ट्रियों में पारदर्शिता लाने के लिए जिस जिओ-टैगिंग और मौके के लाइव फोटो की व्यवस्था अनिवार्य की थी, उसे इस कार्यालय ने मखौल बना दिया है। विक्रय पत्रों में वास्तविक क्रय की जाने वाली भूमि के बजाय किसी अन्य अज्ञात और असंबद्ध स्थल के फोटो संलग्न कर दिए गए। हद तो तब हो गई जब अलग-अलग खसरों और भिन्न-भिन्न संपत्तियों (संपत्ति आईडी 1534232812, 1268825769 एवं 1021192661) के अलग-अलग विक्रय पत्रों में हूबहू एक ही फोटो का इस्तेमाल कर उसे जिओ-टैग कर दिया गया। यह साफ तौर पर प्रमाणित करता है कि बिना किसी स्थलीय निरीक्षण के कार्यालय के भीतर बैठकर ही कंप्यूटर के माध्यम से जालसाजी को अंजाम दिया गया है।

कागजों पर बीस किलोमीटर का सत्यापन

पंजीयन नियमों के अनुसार उप-पंजीयक या संबंधित प्राधिकृत अधिकारी को विवादित या संदेहास्पद मामलों में भूमि का भौतिक सत्यापन करना अनिवार्य होता है। पंजीयन क्रमांक एमपी 442712024र11046836 के तहत जिस भूमि का भौतिक सत्यापन शासकीय दस्तावेजों में दर्शाया गया है, वह हकीकत में उप-पंजीयक कार्यालय बांधवगढ़ से 20 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी पर स्थित है। एक ही दिन में बिना मौके पर गए, इतनी दूरी पर स्थित कृषि व आवासीय भूमि का कथित भौतिक सत्यापन कर देना यह साबित करता है कि अधिकारी ने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही और अकर्मण्यता बरती है। इस फर्जी भौतिक सत्यापन के कारण वास्तविक खाताधारकों और सगे वारिसों के विधिक अधिकारों का हनन हुआ है।

कलेक्टर गाइडलाइन का खुला उल्लंघन

सरकारी खजाने को सीधे तौर पर चपत लगाने के लिए स्टाम्प ड्यूटी की भारी चोरी की गई है। शासकीय नियमों और कलेक्टर गाइडलाइन की अनदेखी करते हुए कीमती संपत्तियों का भारी अवमूल्यन किया गया। दस्तावेजों के अनुसार, जिस निर्मित पक्के भवन, कुएं और वृक्षों से युक्त आवासीय भूमि का वास्तविक मूल्यांकन सरकारी गाइडलाइन के मानदंडों के अनुसार न्यूनतम 15,31,500 होना चाहिए था, उसे अधिकारियों की मिलीभगत से मात्र 2,90,223 दर्शाकर रजिस्ट्री कर दी गई। इस प्रकार जानबूझकर संपत्ति की कीमत को कागजों पर कम दिखाकर शासन को मिलने वाले लाखों रुपये के स्टाम्प शुल्क और पंजीयन फीस की सीधे तौर पर चोरी की गई, जो एक दंडनीय वित्तीय अपराध की श्रेणी में आता है।

अवैध नकद लेनदेन को संरक्षण

आयकर विभाग और भारतीय रिजर्व बैंक के कड़े दिशा-निर्देशों के अनुसार किसी भी अचल संपत्ति के सौदे में बड़ी रकम का नकद लेनदेन पूर्णतः प्रतिबंधित है और इसके लिए बैंकिंग चैनलों का उपयोग अनिवार्य है। इसके बावजूद, उप-पंजीयक कार्यालय द्वारा निष्पादित किए गए विक्रय पत्रों के पृष्ठ क्रमांक 05 पर लाखों रुपये (जैसे 2,91,000 एवं 3,000 नगद) के असत्यापित नकद भुगतान के विवरण को न केवल स्वीकार किया गया, बल्कि उसे वैध मानकर रजिस्ट्री पास कर दी गई। इसके अतिरिक्त, क्रेता और विक्रेता के सगे पारिवारिक रिश्ते (सास और बहू) होने और अन्य हकदार बेटियों का कानूनी हिस्सा मारने की नियत को जानते हुए भी बिना किसी उचित छानबीन के इस संदिग्ध सौदे को हरी झंडी दे दी गई।

कमिश्नर से उच्च स्तरीय जांच की मांग

शिकायतकर्ता विवेक शुक्ला ने कमिश्नर को सौंपे अपने अंतिम आवेदन में साफ कहा है कि इस संगठित फर्जीवाड़े के कारण क्षेत्र के वास्तविक और गरीब भूमि स्वामियों को भारी मानसिक, शारीरिक और आर्थिक प्रताडऩा झेलनी पड़ रही है। स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन के बेअसर होने से अब न्याय की उम्मीद केवल संभागीय उच्च अधिकारियों पर टिकी है। पीड़ित ने मांग की है कि उप-पंजीयक बांधवगढ़ द्वारा किए गए इन सभी दोषपूर्ण, अवैध और जालसाजी से युक्त विक्रय पत्रों को तत्काल प्रभाव से शून्य घोषित किया जाए। इसके साथ ही, सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने और शासकीय पद का दुरुपयोग करने वाले दोषी अधिकारी और भू-माफियाओं के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर उच्च स्तरीय विभागीय जांच बैठाई जाए।

ब्लाक स्तरीय बैंकर्स समिति की तिमाही बैठक 21 को पाली एवं मानपुर में 20 मई को

उमरिया। लीड बैंक प्रबंधक ने बताया कि ब्लाक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक 21 मई को जनपद पंचायत कार्यालय पाली सभाकक्ष में तथा 20 मई को जनपद पंचायत कार्यालय मानपुर सभाकक्ष में सायं 4 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में ऋण जमा अग्रिम जमा साख अनुपात पर चर्चा, वित्तीय साक्षरता अभियान एवं प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को ग्रामीण शाखाओं के द्वारा शिविर आयोजन की समीक्षा,जन धन खातों के रि केवायसी,नामांकन आदि की प्रगति,प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के इंट्रेस्ट सब्सिडी स्कीम घटक अंतर्गत ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी वर्ग के पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने संबंधी, पोटेंशियल लिंक्ड क्रेडिट प्लान एफ वाय -2026-27 की समीक्षा , वित्तीय वर्ष 2026-27 में शासकीय योजनाओं के लक्ष्य निर्धारण हेतु समीक्षा , जिला व्यापार उद्योग केंद्र उमरिया के योजनाओं की समीक्षा , (नगरीय निकाय) के अंतर्गत प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा ,पशुपालन, मत्स्य एवं कृषि विभागों के केसीसी की प्रगति की समीक्षा, एन आर एल एम विभाग अंतर्गत स्व सहायता समूह बैंक लिंकेज एवं प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना की समीक्षा, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना की समीक्षा , आदिवासी वित्त विकास विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा ,सी एम हेल्प लाइन लंबित शिकायतों की समीक्षा , एसबीआई आरसेटी उमरिया की समीक्षा ,प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा , शासकीय योजनाओं में लंबित ब्याज अनुदान और सीजीटीएमएसई फीस का दावा संबंधी समीक्षा,अनक्लेम्ड डिपोजिट के रिफंड की योजना पर चर्चा सहित अन्य बिंदुओ पर चर्चा की जाएगी।

सोन नदी में नाव संचालन का एसडीएम मानपुर ने किया निरीक्षण

उमरिया।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मानपुर सुश्री हरनीत कौर कलसी द्वारा ग्राम झाल पहुंचकर सोन नदी स्थित झाल घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान घाट पर संचालित नावों के द्वारा ग्राम झाल से ग्राम विजयशोता तक संचालन करना पाया गया।सुश्री कलसी ने सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं मानकों की समीक्षा करते हुए नाव संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि सभी नावों में यात्रियों की संख्या के अनुरूप पर्याप्त लाइफ सेविंग जैकेट उपलब्ध रहना एवं यात्रियों द्वारा पहनना अनिवार्य है। साथ ही नावों में निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को किसी भी स्थिति में नहीं बैठाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्षाकाल के दौरान नदी में नावों का संचालन पूर्णतः बंद रहेगा, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त घाट के आसपास जलभराव एवं वर्षा के समय होने वाली संभावित दुर्घटनाओं से बचाव हेतु चेतावनी बोर्ड लगाए जाने के लिए सरपंच एवं सचिव को निर्देशित किया।

इसके अतिरिक्त राजस्व टीम द्वारा भोलगढ़ पुल के अर्जन संबंधी कार्यों का भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तकनीकी अमले से विस्तृत चर्चा कर निर्माण एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान सुश्री कलसी ने कार्य गुणवत्ता बनाए रखने,सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्य में तेजी लाकर अतिशीघ्र पूर्ण करने के आवश्यक निर्देश दिए।

पत्रकार संतोष चौरसिया बने एसईसीएल ओबीसी एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

पत्रकार संतोष चौरसिया को ओबीसी कोल इम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में संगठन का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव जय बहादुर सिंह यादव द्वारा नियुक्ति पत्र जारी किया गया। नियुक्ति की सूचना एसईसीएल के सीएमडी, समस्त महाप्रबंधकों सहित कोल इंडिया प्रबंधन तक प्रेषित कर दी गई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि संतोष चौरसिया संगठन के माध्यम से ओबीसी समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे तथा समाज के लोगों की समस्याओं को प्रबंधन एवं शासन स्तर तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। गौरतलब है कि संतोष चौरसिया पिछले लगभग 30 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने सदैव निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता को प्राथमिकता दी है। कोयलांचल क्षेत्र से लेकर ग्रामीण अंचलों तक आम लोगों की समस्याओं, मजदूर हित, सामाजिक विसंगतियों और जनसरोकारों से

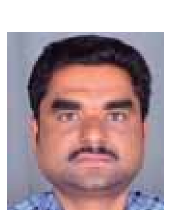

जुड़े मुद्दों को उन्होंने लगातार प्रमुखता से उठाया है। कई बार उनकी खबरों के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई भी हुई, जिससे आमजन को राहत मिली। पत्रकारिता जगत में उनकी पहचान एक सजग, ईमानदार और जमीनी पत्रकार के रूप में रही है। समाज के दबे-कुचले एवं जरूरतमंद लोगों की आवाज बनकर शासन-प्रशासन तक उनकी समस्याएं पहुंचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यही कारण है कि उनकी नियुक्ति को संगठन ने समाज के लिए सकारात्मक कदम बताया है। संतोष चौरसिया की नियुक्ति की खबर सामने आते ही एसईसीएल क्षेत्र, कोयलांचल अंचल एवं सामाजिक संगठनों में खुशी की लहर दौड़ गई। जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, समाजसेवियों, श्रमिक संगठनों, जन प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। उनके निवास एवं मोबाइल पर लगातार शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा हुआ है। ओबीसी कोल इम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन ने विश्वास जताया है कि संतोष चौरसिया अपने अनुभव, सक्रियता और सामाजिक प्रतिबद्धता के बल पर संगठन को नई मजबूती प्रदान करेंगे तथा समाजहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम में शानदार सफलता

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकंटक के विद्यार्थियों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय को गौरवान्वित किया है। इस वर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न संकायों में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त कर अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यंत संतोषजनक रहा, जिसमें अनेक विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक अर्जित किए। विज्ञान, वाणिज्य तथा मानविकी संकायों के विद्यार्थियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है। विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त उत्कृष्ट अंकों ने यह सिद्ध किया है कि निरंतर प्रयास, उचित मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प के माध्यम से सफलता प्राप्त की जा सकती है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में तीनों संकायों के सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं इस प्रकार हैं मानविकी संकाय के टॉपर प्रियांशु सिंह मरावी 91.6 प्रतिशत, वाणिज्य संकाय की टॉपर वर्षा पाटिल 89.4 प्रतिशत, विज्ञान संकाय के टॉपर अनादी श्याम 87.0 प्रतिशत, विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह पायक ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की लगन, नियमित अध्ययन, शिक्षकों के समर्पित प्रयास तथा अभिभावकों के सतत सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है तथा आगे भी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ अपनी तैयारी को निरंतर जारी रखा, जिसके फलस्वरूप उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में उत्साह और गर्व का वातावरण है। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं तथा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर सफलता प्राप्त करने हेतु शुभकामनाएं दी हैं। विद्यार्थियों की यह उपलब्धि निश्चित रूप से आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

नल जल योजना के तहत पानी की सप्लाई में आ रहा मिट्टी युक्त पानी

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर पालिका के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से नगर में नल जल योजना के तहत पानी की सप्लाई घर-घर करवाया जा रहा है। तीन दिनों से नल जल के माध्यम से घर-घर पानी की सप्लाई की जा रही है जो मिट्टी युक्त पानी है। नागरिकों ने बताया कि एक तो भीषण गर्मी का मौसम चल रहा है दूसरी ओर मिट्टी युक्त पानी की सप्लाई की जा रही है जिसके कारण घातक बीमारी होने का अंदेशा बना हुआ है। मिट्टी युक्त पानी का उपयोग यदि लगातार किया जाता रहा तो बीमारी भी हो सकती है। जब इस संबंध में योजना के ठेकेदार के

लैब टेक्नीशियन से बात की गई तो उनका कहना था कि फिल्टर प्लांट से साफ पानी की सप्लाई की जा रही है गड़बड़ी कहां है इसकी जानकारी हमें नहीं है लेकिन यह भी बताया जा रहा है कि फिल्टर प्लांट से पहले नगर में बनी पानी की टंकी में पानी स्टोर किया जाता है और उसके बाद नल जल योजना के माध्यम से घर-घर पानी की सप्लाई की जा रही है बताया जा रहा है कि लगभग 8 माह से पानी की टंकियां की साफ सफाई नहीं की गई है इसके कारण भी हो सकता है मिट्टी युक्त पानी की सप्लाई की जा रही है जबकि नियम यह है कि हर 6 माह में पानी की टंकी की साफ सफाई करवाया जाना अनिवार्य है लेकिन नल जल योजना का कार्य देख रहे ठेकेदार को इससे कोई लेना देना नहीं है उसे तो बस अपने से मतलब है नागरिक मिट्टी पानी पिए या बीमार हो उनसे कोई लेना-देना नहीं है। नागरिकों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से नगर में स्थित पानी टंकियां की साफ सफाई करवाई जाने के बाद ही स्वच्छ पानी प्रदान करवाएं जाने की मांग की है।

शनिवार को पेट्रोल पंप रहे ड्राई वाहन चालक हुए परेशान

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के साथ ही हाईवे और ग्रामीण अंचल में कई पेट्रोल पंप शनिवार को ड्राई रहे। नगर से लगे नेशनल हाईवे में भारत पेट्रोल पंप ड्राई रहा। इतना ही नहीं नगर में कुछ पेट्रोल पंप में पेट्रोल नहीं मिला। जिसके कारण वाहन चालक परेशान हुए। सबसे ज्यादा समस्या ग्रामीण अंचल में है जहां मुश्किल से एक पंप ही संचालित है और उन्हें वहां डीजल पेट्रोल नहीं मिल रहा पंप ड्राई है। सबसे ज्यादा परेशान ऐसे वाहन चालक हो रहे हैं जो कम ईंधन के साथ चलते हैं कि आगे पंप में मिल जाएगा पेट्रोल पंप ड्राई होने के बाद ऐसे वाहन चालकों की समस्या और ज्यादा बढ़ रही है। बताया जाता है कि शुक्रवार को डीजल पेट्रोल के दामों में 3 की बढ़ोतरी की गई है हो सकता है उसी के कारण कुछ

पेट्रोल पंप वालों ने पंप को ड्राई कर रखा हो और कुछ लोगों का कहना है कि जबलपुर डिपो से ही सप्लाई में देरी हो रही है जिसके कारण आज दिन कई पेट्रोल पंप ड्राई रहते हैं।

खबर संक्षेप

इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट के छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत चुंगी नाका में स्थित इंदिरा गांधी ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था का मान बढ़ाया है पीजीडीसीए फाइनल में टॉप करने वाले छात्रों में शिवानी सिंह 80% संजय मिश्रा 79% भावना सिंह 78% के साथ तीसरे नंबर पर है, बीसीए के चौथे सेमेस्टर में अंजली सोनी 78% हिमानी आसुदानी 78% आकांक्षा सिंह 77% ,खुशी सोनी रितिका केसरवानी ,द्वारा भी अच्छा प्रदर्शन किया गया इसी तरह से बीसीए तृतीय सेमेस्टर में सृष्टि कचेर 76.20% मनीषा पटेल 76% प्रज्ञा सिंह बघेल 75% के साथ तीसरे स्थान पर हैं, बीसीए के फर्स्ट सेमेस्टर में कल्पना कुशवाहा, अंजना पटेल, निशा कुशवाहा, सोनाक्षी पटेल प्रथम द्वितीय तृतीय रही, डीसीए के प्रथम सेमेस्टर में संस्कार जैन 75% पुनीता बर्मन 74% यशदीप अवधिया 73% अजीत कुमार तिवारी 73% रहे वही डीसीए के द्वितीय सेमेस्टर में राषी पटेल 73% अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रही द्वितीय स्थान पर श्रद्धा शुक्ला ,सुभाष सकेत अंकित पटेल एवं काजल श्रीवास्तव रही। कॉलेज के डायरेक्टर विनय सोनी प्राचार्य संजय तिवारी एवं स्टाफ द्वारा ईन छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट परिणाम लाकर संस्था का मान बढ़ाने पर शुभकामनाएं दी है एवं उज्जवल भविष्य की कामना की है ।

गोल बाजार में चौपाटी से बढ़ रहा विवाद, स्थानांतरण की उठी मांग

धनपुरी। नगर के व्यस्ततम क्षेत्र गोल बाजार में शाम होते ही मोमोज, चाट एवं फास्ट फूड के ठेले लगने से लगातार अव्यवस्था और विवाद की स्थिति बन रही है। स्थानीय व्यापारियों एवं आसपास के रहवासियों का कहना है कि सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से लग रही चौपाटी के कारण आए दिन वाहन जाम, ग्राहकों के बीच कहासुनी और ठेले संचालकों के बीच विवाद जैसी घटनाएं सामने आती रहती हैं।बताया जा रहा है कि गोल बाजार क्षेत्र पहले से ही संकरी सड़क और अधिक यातायात दबाव के कारण संवेदनशील बना रहता है। शाम के समय बड़ी संख्या में लोग फास्ट फूड के लिए पहुंचते हैं, जिससे सड़क पर भीड़ बढ़ जाती है। कई बार दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की लंबी कतार लगने से आम नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ती है। व्यापारियों का आरोप है कि ग्राहकों की भीड़ दुकानों के सामने जमा होने से उनके व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है।स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि चौपाटी और फास्ट फूड ठेलों के लिए शहर में किसी खुले एवं व्यवस्थित स्थान का चयन किया जाए, ताकि गोल बाजार क्षेत्र विवाद और अव्यवस्था का केंद्र न बने। लोगों का कहना है कि यदि नगर पालिका द्वारा अलग फूड जोन विकसित किया जाता है तो ठेला संचालकों को भी बेहतर सुविधा मिलेगी और शहरवासियों को जाम एवं विवाद से राहत मिल सकेगी।नागरिकों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करते हुए गोल बाजार की यातायात व्यवस्था सुधारने तथा चौपाटी को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग

बदमाशों ने युवक पर चाकू से किया कातिलाना हमला

कटनी । कुठला थाना क्षेत्र के इंद्रानगर इलाके में देर रात चाकूबाजी की घटना हुई। जानकारी के अनुसार आधा दर्जन बदमाशों ने एक राय होकर एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया और उसके पेट में चाकू घोंप दिया। घायल युवक को गंभीर हालत में अस्पताल दाखिल कराया गया है। पुलिस के अनुसार सरलानगर निवासी उत्तम लोहार 28 वर्ष शनिवार की देर रात करीब 12:20 बजे इंद्रानगर की गली नंबर 03 में सोनू नामक व्यक्ति के घर के पास था। इसी दौरान वहां पहुंचे मनीष जायसवाल, सोनू और उनके तीन अन्य साथियों ने उत्तम को घेर लिया। आरोपियों ने पहले गालियां दीं और फिर जान से मारने की नीयत से उत्तम के पेट पर चाकू से जोरदार हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

बुढार पुलिस ने एसपी के निर्देशन पर की पटाखा कारोबारियों और गोदामों की सघन चेकिंग

बुढार।

पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव के निर्देशन पर जिले में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के बुढार नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार ने कस्बे में आतिशबाजी (पटाखा) विक्रेताओं और निर्माणकर्ताओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उनके भंडार गृहों (मैगजीन) की रविवार को सघन चेकिंग की गई।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर जिले के सभी,थाना प्रभारियों एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सक्रियता दिखाई। पुलिस टीमों द्वारा आतिशबाजी निर्माण इकाइयों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों और उनके मैगजीन (गोदामों) का औचक निरीक्षण किया गया।

चेकिंग अभियान के मुख्य बिंदुःलाइसेंस और परमिट की जांचः सभी आतिशबाजी विक्रेताओं और निर्माताओं के वैध लाइसेंस तथा उनकी वैधता अवधि की सूक्ष्मता से जांच की गई।सुरक्षा मानकों का पालनः भंडार गृहों (मैगजीन) में विस्फोटक अधिनियम के तहत निर्धारित सुरक्षा मानकों को परखा गया। इस दौरान अग्निशमन यंत्र (Fire Extinguishers), रेत की बाल्टियां और पानी की पर्याप्त व्यवस्था जैसी अनिवार्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।क्षमता से अधिक भंडारण पर रोकः पुलिस टीम द्वारा यह विशेष रूप से जांचा जा रहा है कि किसी भी मैगजीन या गोदाम में अनुमति प्राप्त क्षमता से अधिक आतिशबाजी या विस्फोटक सामग्री का भंडारण न किया गया हो।

इनका कहना

नगर पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले, बिना वैध लाइसेंस के व्यापार करने वाले या अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री का भंडारण करने वाले व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विनय सिंह गहरवार
नगर निरीक्षक
थाना प्रभारी बुढार

रिहायशी इलाके में पटाखों का स्टॉक हादसे की आशंका से लोग चिंतित

धनपुरी। नगर पालिका क्षेत्र धनपुरी के वार्ड क्रमांक 15 (पुराना वार्ड 13) स्थित कालरी क्वार्टर क्षेत्र में बड़ी मात्रा में पटाखों का स्टॉक रखे जाने से स्थानीय रहवासियों में चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी के बीच रिहायशी इलाके में विस्फोटक सामग्री का भंडारण कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।स्थानीय नागरिकों के अनुसार जिस स्थान पर पटाखों का स्टॉक रखा गया है, उसके आसपास आबादी वाला क्षेत्र है, जहां बच्चों एवं बुजुर्गों का आना-जाना लगातार बना रहता है। गर्मी के मौसम में तापमान लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में ज्वलनशील सामग्री में आग लगने या विस्फोट होने की आशंका से लोग डरे हुए हैं।रहवासियों का कहना है कि विस्फोटक एवं पटाखा सामग्री को आबादी से दूर सुरक्षित स्थान पर रखा जाना चाहिए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर जनहानि और संपत्ति का नुकसान न हो। लोगों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मामले की जांच कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप कार्रवाई करने की मांग की है।स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों ने प्रशासन से पटाखा स्टॉक की वैधता, सुरक्षा व्यवस्था एवं अनुमति संबंधी पहलुओं की जांच कराने की मांग उठाई है।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में 18 मई से लगेगा “समर कैंप 2026”, बच्चों को मिलेगा खेल, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों का मंच

धनपुरी।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के सोहागपुर क्षेत्र प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बच्चों के लिए “एसईसीएल समर कैंप 2026” आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। क्षेत्रीय कार्यालय से जारी सूचना के अनुसार यह समर कैंप 18 मई 2026 से 10 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। समर कैंप का आयोजन धनपुरी स्थित केंद्रीय विद्यालय धनपुरी परिसर में किया जाएगा।प्रबंधन द्वारा जारी सूचना में बताया गया है कि समर कैंप में कक्षा पहली से लेकर बारहवीं तक के बच्चों को शामिल किया जाएगा। शिविर के दौरान बच्चों के लिए खेलकूद, फिटनेस प्रशिक्षण, रचनात्मक गतिविधियां, शैक्षणिक कार्यक्रम तथा मनोरंजन से जुड़े विविध आयोजन किए जाएंगे। गर्मी की छुट्टियों के दौरान बच्चों को नई गतिविधियों से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से यह पहल की गई है।बताया जाता है कि समर कैंप में बच्चों को खेल के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास बढ़ाने से संबंधित गतिविधियों में भी भाग लेने का अवसर मिलेगा। वहीं चित्रकला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शारीरिक फिटनेस एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।सोहागपुर क्षेत्र के कर्मचारियों एवं अधिकारियों में समर कैंप को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि वर्तमान समय में मोबाइल और टीवी की बढ़ती लत के बीच इस प्रकार के आयोजन बच्चों को सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने में सहायक साबित होंगे। कई कर्मचारियों ने इसे प्रबंधन की सराहनीय पहल बताया है।क्षेत्रीय प्रबंधन ने इच्छुक कर्मचारियों एवं अधिकारियों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर अपने बच्चों का पंजीयन ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से अवश्य कराएं। सूचना की प्रतिलिपि क्षेत्रीय महाप्रबंधक, महाप्रबंधक संचालन, सभी उपक्षेत्रीय प्रबंधकों एवं विभागाध्यक्षों को भी प्रेषित की गई है। साथ ही समस्त सूचना पटल पर सूचना चस्पा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को इस समर कैंप का लाभ मिल सके।

बाघ के हमले से महिला की मौत, अंधेरे में तेंदूपत्ता संग्रहण नहीं करने की गई अपील

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर रेंज के कुदरी बीट में सेहरा हार नामक स्थान पर, कुदरी ग्राम की एक महिला तेंदूपत्ता कलेक्सन के दौरान बाघ के द्वारा हमले से मृत्यु हो गई। महिला का नाम श्रीमती ममता पति पप्पू यादव उम्र 28 वर्ष है।वन,पुलिस एवं प्रशासन की देखरेख में चिकित्सक द्वारा पोस्ट मार्टम किया गया तथा मृतिका का अंतिम संस्कार परिवार जनों की उपस्थिति में किया गया। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने उमरिया के सभी संग्राहकों से अपील करते हुए कहा है कि तेंदूपत्ता संग्रहण हेतु प्रातः काल अंधेरे में ना जाकर दिन में जाए तथा एक से अधिक व्यक्तियों के झुण्ड में तेंदूपत्ता कलेक्सन का कार्य करें। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत कोर क्षेत्र में एवं बाघ बाहुल्य क्षेत्र में जाने से रोकने हेतु बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया के द्वारा सतत समझाइश दी जा रही है तथा जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

सोहागपुर क्षेत्र में तकनीकी अमले में बड़ा फेरबदल, 9 कर्मचारियों के तबादले, किसी के चेहरे पर खुशी तो कहीं मायूसी, नई पदस्थापना को लेकर इकाइयों में चर्चाओं का दौर

धनपुरी।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड के सोहागपुर क्षेत्र में तकनीकी संवर्ग के कर्मचारियों के तबादले के बाद विभिन्न खदानों, ओसीएम परियोजनाओं एवं साइडिंग इकाइयों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक द्वारा जारी कार्यालय आदेश में 9 तकनीकी कर्मचारियों को नई पदस्थापना दी गई है। आदेश जारी होते ही कुछ कर्मचारियों में खुशी देखी जा रही है तो कुछ कर्मचारियों के बीच मायूसी और असंतोष की चर्चा भी सामने आने लगी है।जारी आदेश के अनुसार खैरहा यूजी माइंस के तकनीकी निरीक्षक अनिल कुमार पाल को बुढ़ार साइडिंग, अमलाई ओसीएम के तकनीकी निरीक्षक भरत प्रसाद कछेर को संगमा साइडिंग तथा रामपुर बटूरा में पदस्थ सहायक तकनीकी निरीक्षक रविशंकर मिश्रा को अमलाई ओसीएम स्थानांतरित किया गया है। वहीं बंगवार यूजी के तकनीकी निरीक्षक मुकेश तिवारी को खैरहा यूजी, दामिनी यूजी के तकनीकी निरीक्षक प्रशांत पाठक को बंगवार यूजी तथा बुढ़ार साइडिंग में पदस्थ शक्ति सिंह परिहार को रामपुर बटूरा भेजा गया है।इसी प्रकार रविंद्र कुमार विश्वकर्मा को राजेंद्र यूजी माइंस, वरुण द्विवेदी को दामिनी यूजी एवं ओमप्रकाश पासवान को संगमा साइडिंग में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रबंधन ने सभी कर्मचारियों को तत्काल नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।स्थानांतरण आदेश के बाद क्षेत्र की कई इकाइयों में कर्मचारियों के बीच अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ कर्मचारी अपनी पसंद की इकाई मिलने से संतुष्ट नजर आ रहे हैं, वहीं कुछ कर्मचारियों को लंबे समय से जुड़े कार्यस्थल छोड़ने का मलाल भी है। खासकर भूमिगत खदानों से साइडिंग और साइडिंग से खदान क्षेत्रों में हुए बदलाव को लेकर अंदर खाने चर्चाएं तेज हैं।सूत्रों का कहना है कि उत्पादन व्यवस्था, तकनीकी निगरानी और प्रशासनिक संतुलन को मजबूत करने के उद्देश्य से यह फेरबदल किया गया है। हालांकि कर्मचारियों के बीच यह चर्चा भी है कि आने वाले दिनों में अन्य विभागों में भी तबादलों की सूची जारी हो सकती है। आदेश के बाद परियोजना अधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों को कार्यभार हस्तांतरण एवं ग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

एसडीएम ने इंदवार जल परियोजना के सुचारू संचालन हेतु किया औचक निरीक्षण

परियोजना अंतर्गत 68 ग्रामों की समीक्षा बैठक जल्द

उमरिया।

इंदवार जल परियोजना के सुचारु संचालन और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल शोधन प्रक्रिया, वितरण व्यवस्था और गांवों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने जल निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना क्षेत्र के सभी गांवों में नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम ने निर्देश दिए कि अगले सप्ताह परियोजना से जुड़े 68 ग्रामों की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, जीआरएस, जल निगम और राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। इसमें प्रत्येक गांव की जल आपूर्ति स्थिति, पाइपलाइन विस्तार, मोटर संचालन, विद्युत आपूर्ति, जल गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की शिकायतों की समीक्षा की जाएगी। ग्राम पंचायतों को अपनी समस्याओं और वास्तविक स्थिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान कई गांवों में पेयजल व्यवस्था पहले से बेहतर बताई गई, जिससे गर्मी में ग्रामीणों को राहत मिली है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति नहीं होने, पाइपलाइन लीकेज, कम जल दबाव, बिजली बाधा और दूरस्थ बस्तियों तक पानी नहीं पहुंचने जैसी समस्याएं सामने आईं हैं। एसडीएम ने संबंधित विभागों को नियमित मॉनिटरिंग, समय पर मरम्मत, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और जल गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्राम स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र सक्रिय करने और जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप हर ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग की अध्यक्षता में समस्याओं के निराकरण हेतु शिविर संपन्न

उमरिया। जनजातीय कार्य विभाग एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य विभाग जे.पी. यादव द्वारा संभाग के तीनों जिलों में अलग-अलग तिथियों पर सुनवाई शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का त्वरित निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में उमरिया जिले के कर्मचारियों की समस्याओं की सुनवाई हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पाली के समीप स्थित नवीन छात्रावास भवन, पाली में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आवेदकों को टोकन वितरित कर उनकी समस्याओं की क्रमवार सुनवाई की गई। शिविर में कुल 90 कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन संभागीय उपायुक्त को प्रस्तुत किए। संभागीय उपायुक्त द्वारा सहायक आयुक्त कार्यालय के मंडल संयोजक एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाली की उपस्थिति में प्रकरणों की सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से क्रमोन्नति एवं समयमान वेतनमान के एरियर भुगतान, एचआरए भुगतान, समयमान स्वीकृति, क्रमोन्नति से वंचित प्रकरण, अर्जित अवकाश भुगतान तथा अन्य सेवा संबंधी स्वत्वों से जुड़ी समस्याएं शामिल रहीं। संभागीय उपायुक्त जे.पी. यादव ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करते हुए संबंधित कर्मचारियों को इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही कोष एवं लेखा कार्यालय रीवा में लंबित वेतन निर्धारण संबंधी प्रकरणों की नामवार सूची प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि समन्वय स्थापित कर उनका शीघ्र निराकरण कराया जा सके। उमरिया जिले में पहली बार आयोजित इस प्रकार के शिविर को लेकर कर्मचारियों एवं शिक्षक संगठनों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। शिविर के समापन पर कर्मचारियों एवं शिक्षक संघों के पदाधिकारियों ने शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु की गई पहल के लिए संभागीय उपायुक्त का आभार व्यक्त करते हुए उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया।शिविर में सहायक संचालक जगदीश प्रसाद नापित, विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाली सरिता जैन तथा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य कार्यालय उमरिया के मंडल संयोजक संजय पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर परिषद बरही में 20 मई को होगी तालाबंदी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बरही

बरही नगर परिषद में पदस्थ इंजीनियर सुश्री अपेक्षा वर्मा को हटाने की मांग को लेकर नगर परिषद के 14 पार्षदों की एक महत्वपूर्ण बैठक रेस्ट हाउस बरही में आयोजित की गई बैठक में नगर परिषद के विकास कार्यों में लगातार हो रही देरी, अधूरे एस्टीमेट तैयार करने एवं कार्यों में लापरवाही को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया। पार्षदों ने बताया कि दिनांक 07 मई 2026 को कलेक्टर कटनी को ज्ञापन सौंपकर इंजीनियर अपेक्षा वर्मा को नगर परिषद बरही से हटाने की मांग की गई थी। साथ ही नगर परिषद कैमोर में पदस्थ इंजीनियर हिमांशु गौतम को सप्ताह में दो दिवस बरही नगर परिषद में प्रभारी इंजीनियर के रूप में पदस्थ करने का अनुरोध भी किया गया था, ताकि नगर के विकास कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सकें। बैठक में पार्षदों ने कहा कि ज्ञापन दिए जाने के बाद भी आज दिनांक तक शासन-प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई,

कोयले की कालिख में दब गई सड़क धूल और गड्ढों ने छीनी लोगों की राहत

गोबिंदा कालरी से भालूमाड़ा तक 3 किलोमीटर मार्ग बना मुसीबत
बीमारी और हादसों का बढ़ा खतरा

कोतमा क्षेत्र में गोबिंदा कालरी से भालूमाड़ा को जोड़ने वाली लगभग 3 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क आज बदहाली की तस्वीर बन चुकी है। कोयला और फ्लाई ऐश से भरे भारी वाहनों की लगातार आवाजाही ने सड़क को गड्ढों में तब्दील कर दिया है। उड़ती धूल, बिखरी गिट्टियां और पानी के छिड़काव की कमी से राहगीर परेशान हैं। हालात ऐसे हैं कि लोग आंख, सांस और त्वचा संबंधी बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग मौन बने हुए हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नगर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित गोबिंदा कालरी से भालूमाड़ा तक जाने वाला मुख्य मार्ग अब लोगों के लिए सुविधा नहीं बल्कि परेशानी का कारण बन चुका है। वर्षों पहले क्षेत्रीय विकास और आवागमन को आसान बनाने के उद्देश्य से बनाई गई यह सड़क आज भारी कोयला एवं फ्लाई ऐश वाहनों के दबाव में पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे, उखड़ी गिट्टियां और उड़ती धूल ने आमजन का जीना मुश्किल कर दिया है। दोपहिया वाहन चालक आए दिन दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं, वहीं पैदल चलने वालों को सांस लेने तक में कठिनाई हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कॉलरी प्रबंधन केवल खानापूर्ति कर रहा है। सड़क मरम्मत और पानी छिड़काव के नाम पर लगातार लापरवाही बरती जा रही है। कई बार शिकायतें होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

धूल के गुबार ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें

गोबिंदा से भालूमाड़ा तक का मार्ग इन दिनों धूलभरी आफत में बदल चुका है। जैसे ही कोयले और फ्लाई ऐश से लदे भारी वाहन सड़क से गुजरते हैं, पूरे क्षेत्र में धूल का गुबार छा जाता है। सड़क किनारे रहने वाले लोगों के घरों में धूल की परत जम रही है। दुकानदारों को दिन में कई बार सफाई करनी पड़ रही है। राहगीरों की आंखों में धूल चली जाती है, जिससे जलन और संक्रमण की शिकायतें बढ़ रही हैं। कई लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत हो रही है। इसके बावजूद नियमित पानी छिड़काव नहीं कराया जा रहा

गड्ढों में तब्दील सड़क बनी हादसों की वजह

करीब 3 किलोमीटर लंबी यह सड़क अब सड़क कम और गड्ढों का जाल ज्यादा नजर आती है। बड़े-बड़े गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालक संतुलन खोकर गिर रहे हैं। कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं। रात के समय स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है, क्योंकि धूल और खराब सड़क के कारण सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। चारपहिया वाहन चालकों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

सड़क पर बिखरी गिट्टियां बढ़ा रहीं खतरा

कॉलरी प्रबंधन द्वारा सड़क पर गिट्टियां तो डाल दी गईं, लेकिन उन्हें रोलिंग कर समतल नहीं कराया गया। पानी का छिड़काव भी नहीं किया गया, जिसके कारण सड़क पर फैली गिट्टियां दुर्घटना का कारण बन रही हैं। दोपहिया वाहन चालक इन गिट्टियों पर फिसलकर गिर रहे हैं। बड़े वाहनों के गुजरते ही गिट्टियां उछलकर लोगों को चोट पहुंचा रही हैं। सड़क किनारे रहने वाले लोगों का कहना है कि यह अधूरा काम उनकी परेशानी और बढ़ा रहा है। मरम्मत के नाम पर केवल दिखावा किया जा रहा है।

आमजन के स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

लगातार उड़ रही धूल अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर डालने लगी है। क्षेत्र में आंखों में जलन, खांसी, सांस लेने में तकलीफ और एलर्जी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। छोटे बच्चे, बुजुर्ग और दमा के मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर पानी नहीं डाला जाता, जिससे पूरे दिन धूल उड़ती रहती है। कई बार पैदल चलने वाले लोग धूल के कारण रास्ता साफ नहीं देख पाते और गिरकर चोटिल हो जाते हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर कोई गंभीर कदम नहीं उठाया जा रहा।

आश्वासन तक सीमित रह गया सड़क मरम्मत का मामला

पूर्व में जमुना-कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक द्वारा सड़क मरम्मत कराने का आश्वासन दिया गया था। उन्होंने कहा था कि फ्लाई ऐश परिवहन करने वाली कंपनियों से बातचीत कर सड़क दुरुस्त कराई जाएगी। यदि कंपनियां मरम्मत नहीं कराएंगी तो कॉलरी प्रबंधन स्वयं सड़क का निर्माण करवाएगा। लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारी केवल आश्वासन देकर जिम्मेदारी से बच रहे हैं। सड़क की बदहाल स्थिति अब क्षेत्रवासियों के धैर्य की परीक्षा लेने लगी है।

खबर संक्षेप

श्री रुद्र महायज्ञ एवं नर्मदा पुराण कथा के आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह

अमरकंटक। मध्यप्रदेश के पवित्र धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ नगरी अमरकंटक स्थित श्री मार्कण्डेय आश्रम में माँ नर्मदा की पावन धरा पर आयोजित होने जा रहे श्री रुद्र महायज्ञ एवं नर्मदा पुराण कथा को लेकर क्षेत्र सहित दूर-दराज़ के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह व्याप्त है। माँ नर्मदा सेवा समिति जिला मंगोली (छत्तीसगढ़) के तत्वावधान में आयोजित यह धार्मिक आयोजन इस वर्ष अपने चतुर्थ वर्ष में प्रवेश कर रहा है। कार्यक्रम का आयोजन परम पूज्य संत-महात्माओं के सान्निध्य में वैदिक विधि-विधान एवं धार्मिक आस्था के साथ संपन्न होगा। आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया, चंद्र दर्शन 18 मई को भव्य कलश यात्रा के साथ होगा तथा ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी, गंगा दशहरा 26 मई को पूर्णाहुति के साथ समापन किया जाएगा। इस पावन अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ अनुष्ठान संपन्न होगा, वहीं प्रतिदिन सायं 4 बजे से रात्रि 7 बजे तक श्री नर्मदा पुराण कथा का रसपान श्रद्धालु करेंगे। आयोजन के दौरान संत महात्माओं का सत्संग, कन्या भोज, भंडारा एवं प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। धार्मिक आयोजन में देशभर से संत-महात्माओं एवं विद्वान आचार्यों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। आयोजन में ब्रह्मलीन परमहंस जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद का विशेष उल्लेख किया गया है। साथ ही आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि श्रीराम कृष्णानंद महाराज एवं यज्ञाचार्य पंडित रामनरेश शास्त्री की उपस्थिति आयोजन को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान करेगी। आयोजन समिति ने समस्त श्रद्धालु भक्तों से आग्रह किया है कि वे परिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर माँ नर्मदा की पुण्य सलिला तट पर आयोजित श्री रुद्र महायज्ञ एवं नर्मदा पुराण कथा का श्रवण कर धर्म लाभ प्राप्त करें। समिति का कहना है कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में धर्म, संस्कृति, सद्भाव एवं मानव कल्याण की भावना को सुदृढ़ करते हैं। अमरकंटक की पावन वादियों में होने वाला यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं सनातन परंपरा का अद्भुत संगम बनेगा, जहाँ वैदिक मंत्रों की गूंज और माँ नर्मदा की आराधना वातावरण को भक्तिमय बना देगी।

भालूमाड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 14 मवेशियों से भरी दो पिकअप जप्त

पशु तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार, 12 लाख से अधिक का मशरूका बरामद

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

जिले में अवैध पशु परिवहन एवं तस्करी के खिलाफ भालूमाड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो पिकअप वाहनों से क्रूरता पूर्वक ले जाए जा रहे 14 मवेशियों को मुक्त कराया है। पुलिस ने दोनों वाहनों को जप्त कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार 17 मई की रात मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो पिकअप वाहनों में अवैध रूप से मवेशियों को भरकर भाद क्षेत्र से भालूमाड़ा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही भालूमाड़ा थाना इंचार्ज उप निरीक्षक डीएस बागरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पयारी नंबर-2 मेन रोड पर रात करीब 3 बजे नाकाबंदी की। इसी दौरान सफेद रंग की पिकअप क्रमांक एमपी 65 जेडडी 4094 एवं दूसरी पिकअप क्रमांक सीजी 16 सीएस 6764 वहां पहुंची। पुलिस को देखकर दोनों वाहन चालक गाड़ी मोड़कर केरहा बाबा मझौली रोड की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने तत्काल पीछा किया, लेकिन आरोपी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गए। जांच के दौरान पिकअप क्रमांक एमपी 65 जेडडी 4094 में 5 भैंसा एवं 2 भैंसी तथा दूसरी पिकअप क्रमांक सीजी 16 सीएस 6764 में 4 भैंसा एवं 3 भैंसी कुल 14 मवेशी ठूस-ठूस कर भरे मिले। पुलिस के अनुसार आरोपियों द्वारा मवेशियों को अत्यंत क्रूरता के साथ कम जगह में भरकर परिवहन किया जा रहा था। दोनों पिकअप वाहनों एवं मवेशियों को जप्त कर थाना परिसर लाया गया तथा सभी मवेशियों को देखरेख हेतु गोविंदा कांजी हाउस भेजा गया। जप्त मशरूका की कुल कीमत लगभग 12 लाख 10 हजार रुपये बताई जा रही है। मामले में वाहन क्रमांक एमपी 65 जेडडी 4094 के चालक के विरुद्ध अपराध क्रमांक 134/2026 तथा वाहन क्रमांक सीजी 16 सीएस 6764 के चालक के विरुद्ध अपराध क्रमांक 135/2026 दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम एवं मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। उक्त कार्रवाई में थाना इंचार्ज उप निरीक्षक डीएस बागरी, सउनि चंद्रहास बांधेकर, प्र.आर. 57 कृपाल सिंह, आर. 485 शुभम तिवारी एवं चालक आर. 365 दिनेश मुजाल्दे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संचार के नाम पर राष्ट्र को कर रहे कलंकित-जितेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज चचाई। भारतीय दूरसंचार विभाग के घटिया कार्य प्रणाली की सीबीआई से जांच करने एवं निजी कंपनियों के द्वारा टैरिफ में की जा रही बेतहाशा वृद्धि पर नियंत्रण लगाने के संबंध में समाज सेवी जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री गृहमंत्री एवं संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखा है। हिंदुस्तान के करोड़ों उपभोक्ताओं द्वारा दूरसंचार विभाग की क्रांतिकारी आवाज बन कहा की भारत सरकार द्वारा भारतीय दूरसंचार विभाग की स्थापना इस उद्देश्य से की गई थी ताकि समूचे राष्ट्र में दूरसंचार की कार्य प्रणाली बेहतर सेवा मुस्तैदी के साथ उपलब्ध कराये ताकि सुदूर ग्रामीण अंचलों को सेवा प्रदान हो सके किंतु आज राष्ट्र को आजाद हुए 75 साल हो रहा है किंतु दूरसंचार विभाग की घटिया सेवा समूचे राष्ट्र को कलंकित करने का कार्य कर रही है। बीएसएनएल की मोबाइल नेटवर्किंग हिंदुस्तान की सबसे पुरानी संचार प्रणाली है निजी कंपनियां वोडाफोन, एयरटेल, जिओ, आइडिया बाद में स्थापित हुई किंतु दूरसंचार विभाग की मोबाइल नेटवर्किंग दिन प्रतिदिन खराब होती गई और उपभोक्ताओं का विश्वास बीएसएनएल से टूटता चला गया। क्या निजी कंपनियों के इशारे पर बीएसएनएल की संचार कार्य प्रणाली ठप्प की जा रही है उपभोक्ताओं के मन में एक बात गूंज रही कि दूरसंचार विभाग कहीं निजी कंपनियों के इशारे पर तो नहीं नाच रही है निजी कंपनियों की महत्ता एवं उनकी बेहतर सेवा एवं धन कमाने के लिए दूरसंचार विभाग अपने आप को मृत प्राय घोषित कर साबित करना चाहता है कि निजी कंपनियों के सामने बीएसएनएल नेटवर्किंग शून्य है ताकि उपभोक्ता निजी कंपनियों के सिम उपयोग में ले और बीएसएनएल के नेटवर्किंग से दूर रहे। निजी कंपनियां मोबाइल नेट पैक एक माह का करते हैं तथा 28 दिन में ही नेट पैक समाप्त कर देते हैं पूरे विश्व में एक माह 30 दिन का होता है किंतु इन कंपनियों का महीना 28 दिन का क्यों भोले भाले उपभोक्ता इसे स्वीकार करते हैं क्योंकि वर्तमान समय में मोबाइल एक अति आवश्यक सेवा बन चुका है यह एक गंभीर विषय है।

सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र और उत्तम स्वास्थ्य के लिए रखा वट सावित्री व्रत

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु के लिए शनिवार को वट सावित्री का त्योहार मनाया। राजनगर में शनिवार को वट सावित्री पूजा को लेकर मंदिरों, केरहा घाट, तालाब, पर महिला श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गयी। भारत की सांस्कृतिक परंपराएं और धार्मिक आस्थाएं आज भी समाज को एक सूत्र में बांधे हुए है। इन्हीं पावन परंपराओं में शामिल वट सावित्री व्रत शनिवार को राजनगर क्षेत्र के बाबूलाईन, बी टाइप, सी टाइप क्षेत्र कि श्रीमती चंद्रकला दुबे, श्रीमती सुषमा मिश्रा, श्रीमती सुमन जाखड़, श्रीमती कविता दुबे, एवं अन्य कालोनी कि महिलाओं ने पूरी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए सोलह श्रृंगार कर वट वृक्ष की परिक्रमा की। सुबह होते ही महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर और श्रृंगार कर पूजा की तैयारी में जुट गई। महिलाओं ने पहले घरों में पूजा की। इसके बाद वे सामूहिक रूप से ही सी टाईप के नजदीकी वट (बरगद) वृक्ष के पास पहुंचीं। जहां विधिवत पूजन कर वृक्ष की जड़ों में जल अर्पित किया व उसके तने पर कच्चा सूत लपेटते हुए परिक्रमा की। पूजा के दौरान महिलाओं ने सावित्री और सत्यवान की कथा श्रद्धापूर्वक सुनी। वट वृक्ष को सनातन परंपरा में अत्यंत पूजनीय माना गया है। धार्मिक मान्यता है, कि इस विशाल वृक्ष में त्रिदेव-ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह वृक्ष पर्यावरण और मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी माना जाता है। इसकी घनी छाया, प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन देने की क्षमता व इसके औषधीय गुण इसे प्रकृति का अनमोल उपहार बनाते हैं। यह व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। सामूहिक पूजा, पारंपरिक लोकगीत और रीति-रिवाजों के माध्यम से यह पर्व नयी पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करता है। लंबी आयु, सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना को लेकर पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राजनगर, रामनगर, पौराधार, डोला, आमाडांड, बरतराई कालोनी, एवं क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धा व भक्ति के साथ सुहागिन महिलाओं ने पति के स्वस्थ दिर्घायु जीवन की कामना को लेकर वट सावित्री की पूजा अर्चना श्रद्धा एवं भक्ति के साथ किया। इस दौरान व्रतियों ने श्रद्धा व भक्ति के साथ पूजा-अर्चना कर परिवार में सुख-शांति, धन-धान्य, समृद्धि व पति के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की आशीर्वाद मांगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत का नाम माता सावित्री के नाम पर पड़ा। जिन्होंने अपनी निष्ठा और बुद्धि के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस ले लिए। हिंदू धर्म में बरगद के पेड़ को अमर माना जाता है।

रामनगर पुलिस की कार्यवाही, अवैध कोयला परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में थाना रामनगर पुलिस द्वारा अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 17 मई को थाना रामनगर में पदस्थ प्रधान आरक्षक राहुल प्रजापति द्वारा जुर्म जरायम पतासाजी, वारंटी एवं पता तलाश के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक स्वराज ट्रैक्टर वाहन में अवैध रूप से कोयला लोड कर रामनगर राम मंदिर से डोला की ओर परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए हमराह स्टाफ आरक्षक 547 अनुराग भार्गव एवं साक्षियों के साथ राममंदिर के पास नाकाबंदी की गई। कुछ समय पश्चात उक्त ट्रैक्टर को रोककर चेक किया गया, जिसमें ट्रैक्टर-ट्रॉली में 23 बोरी कोयला लोड पाया गया। वाहन चालक ने अपना नाम बाबूलाल प्रजापति पिता स्व. रामभजन उर्फ भजन प्रजापति उम्र 50 वर्ष निवासी वार्ड नं. 12 राम मंदिर के पास रामनगर थाना रामनगर जिला अनूपपुर बताया। चालक से कोयला परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज, टीपी, रसीद, बीमा एवं ड्राइविंग लायसेंस प्रस्तुत करने हेतु कहा गया, किन्तु वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। मौके पर स्वराज ट्रैक्टर कीमती लगभग 05 लाख रुपये एवं ट्रॉली में लोड 23 बोरी कोयला करीब 1150 किलोग्राम कीमती लगभग 2450 रुपये जप्त किया गया। संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी भी कराई गई। उक्त मामले में थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 125/26 पंजीबद्ध कर आरोपी बाबूलाल प्रजापति के विरुद्ध धारा 303 (2), 317(5), 3 (5) बीएनएस, 4/21 खनिज अधिनियम एवं 146/196, 3/181 मोटरयान अधिनियम के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है।

भाजपा मंडल अनूपपुर ग्रामीण में नई नियुक्तियां घोषित, अभिषेक गुप्ता बने उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी मंडल अनूपपुर ग्रामीण चचाई में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से मंडल के रिक्त पदों पर नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण फुक्कू सोनी द्वारा जारी आदेश में कई पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी आदेश के अनुसार श्रीमती शकुंतला कोल को महामंत्री, प्रभाकर उर्मलिया को कोषाध्यक्ष एवं प्रकाश राय को सहकोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं बरगवां निवासी युवा भाजपा नेता अभिषेक गुप्ता को मंडल उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। अभिषेक गुप्ता लंबे समय से भाजपा संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं और विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों में उनकी सहभागिता लगातार रही है। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, युवाओं के बीच मजबूत पकड़ एवं कार्यशैली को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताते हुए यह दायित्व सौंपा है। उनकी नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। यह नियुक्तियां मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार, संभागीय एवं जिला संगठन की सहमति तथा जिला भाजपा अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं मंडल प्रभारी श्रीमती पार्वती राठौर के अनुमोदन उपरांत घोषित की गई हैं। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है।